गौतम बुद्ध महाविद्यालय

सम्बद्ध-सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर

पचपेड़वा, सांगठ, संतकबीर नगर (उ.प्र.)

(शिक्षा संकाय)

पाठ्य योजना - 2

सत्र : 20.....-20.....

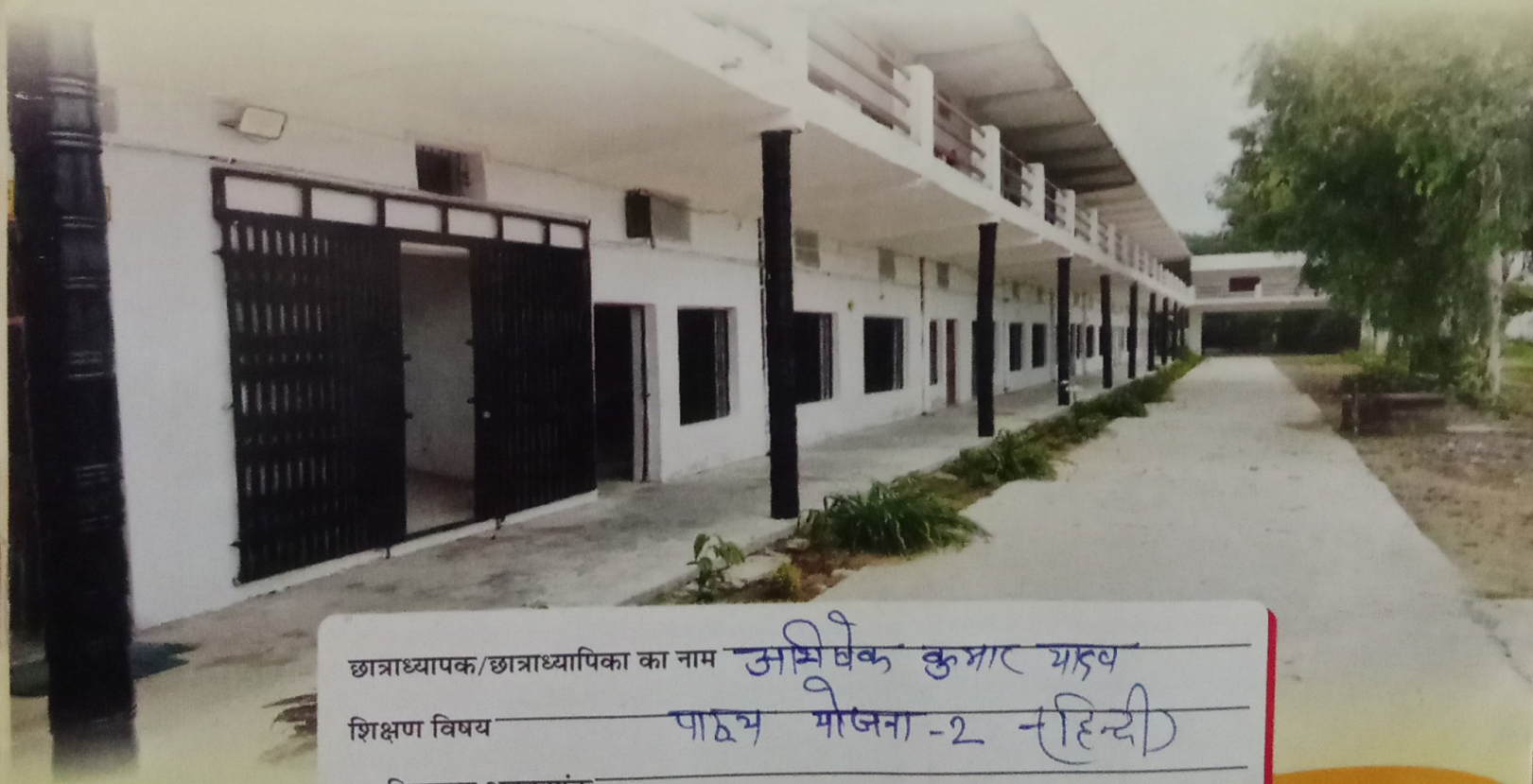

छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका का नाम अभिषेक कुमार यादव

शिक्षण विषय पाठ्य योजना-2 (हिन्दी)

महाविद्यालय अनुक्रमांक

विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित अनुक्रमांक

दिनांक .....

पाठ योजना-1

(1) विद्यालय का नाम – आदर्श जनता इण्टर कालेज पचपेड़वा
(2) छात्राध्यापक का नाम- अभिषेक कुमार यादव

दिनांक	कक्षा	वर्ग	विषय	उप-विषय	चक्र	अवधि
29/01/24	7	(अ)	हिन्दी	पद्य	चतुर्थ	40मिनट

सामान्य उद्देश्य :-

1. छात्र छात्राओं में हिन्दी विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. छात्र-छात्राओं को इस योग्य बनाना की वे अपने भाव दूसरे सामने स
3. छात्र छात्राओं को शब्दों वाक्यांशों तथा लोकोक्तियों का ज्ञान
4. छात्र - छात्राओं को हिन्दी विषय के लेखक कवियों एवं साहित्य से परिचय करना
5. छात्र - छात्राओं के शब्द भण्डार में वृद्धि करना
6. छात्र-छात्राओं को चरित्र निर्माण के लिए प्रेरित करना।
7. छात्र - छात्राओं को सत् साहित्य सृजन की प्रेरणा देना जिससे वे अवकाश के समय सद् प्रयोग कर सके।
8. छात्र - छात्राओं को भाषा प्रयोग स्वर निर्माण आदि का ज्ञान करना।
9. छात्र-छात्राओं को हिन्दी पद्य एवं गद्य के विभिन्न विधाओं का ज्ञान करना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

1) ज्ञानात्मक :- सभी छात्र 'राजधर्म' कहानी के बारे में जान सके
2. भावात्मक :- छात्र इस कहानी से पूर्ण रूप से अवगत हो सके।

दिनांक .... (2)

3\. क्रियात्मक :– सभी छात्र राजधर्म कहानी के बारे मे दूसरे को बता सके।

सहायक सामग्री :– डेस्टर श्याम पट्ट चार्ट व अन्य कर ना उपयोगी उपकरण।

पूर्वज्ञान :– छात्र राजा तथा उसके धर्म के बारे मे पूर्व ज्ञान रखते है।

प्रस्तावना के प्रश्न :

क्र० स०	छात्राध्यापक कथन	छात्र कथन
1.	राजा दशरथ के कितने पुत्र थे।	~~छात्र कथन~~ चार पुत्र थे
2.	चारो पुत्र के नाम बताओ।	राम, लक्ष्मण, भरत शत्रुघ्न।
3.	राम को कितने वर्ष का वनवास हुआ	14वर्ष का वनवास हुआ।
4.	14 वर्ष बाद राम जी अयोध्या के क्या बने	राजा बने
5.	राजा बनने के बाद राम जी ने किस धर्म का पालन किया	राज धर्म

उद्देश्य कथन :
बच्चो आज हम आप सभी को राजधर्म नामक कहानी का अध्ययन करायेगे जो एक जातक कथा से लिया गया है।

प्रस्तुतीकरण :– प्रथम अन्विति

दिनांक .... (3)

पाठ्य संकेत - अति प्राचीन काल .... से भरा गया।

	छात्राध्यापक कथन	छात्रा कथन
आदर्श वाचन	छात्राध्यापक प्रस्तुत गंद्यांश को उचित आरोह - अवरोह शब्दो रखते हुए छात्रो के समक्ष आदर्श वचन प्रस्तुति करती है	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे है
अनुकरण वचन	छात्राध्यापक किसी एक छात्र से प्रस्तुत गंद्यांश का आदर्श वचन करवाती है	एक छात्र पढ़ता है। सभी छात्र सुनते है।
कठिन शब्द	निवारण	
शब्द	अर्थ	वाक्य प्रयोग
संकल्प	दृढ़ निश्चय	राम ने किसी को कष्ट न पहुचाने का संकल्प कर लिया
न्याय का परायण ओज	न्याय मे लगा हुआ	राजा को हमेशा न्याय परायण होना चाहिए भगवान बुद्ध के चेहरे पर ओज झलकता है
अनुकरण	पीछे चलकर	गुरु द्वारा बताये गये बातो का शिष्य अनुकरण करते है

बोधात्मक प्रश्न

1.	बोधित जंगल के पके गोंद खाने के लिए किसको दिया	राजा को
2.	राजा को गोंद कैसे लगे	~~कड़वे~~ मीठे लगे
3.	गोंद मीठे क्यो लगे	क्यो कि वह राजा न्यायपरायण थे

छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया
1. प्रस्तुत गंघांश को पूर्ण रूप से उदाहरणों सहित व्याख्या प्रस्तुत करती है।	छात्र पूर्ण रुचि के साथ अर्थ ग्रहण कर रहे है।

श्यामपट्ट सारांश:-

छात्राध्यापक छात्रों को श्याम पट्ट पर लिखा हुआ समस्त विवरण लिखने का आदेश देता है और स्वयं कक्षा मे घूम-घूम कर निरीक्षण करता है।

मूल्यांकन

प्र०1 → वाराणसी मे किस नाम का राजा करता था।
उत्तर →

प्र०2 → ब्रह्मदत्त कैसा था।
उत्तर →

प्र०3 → राजा वेश बदलकर घूमने क्यो निकला
उत्तर० →

गृहकार्य → शब्दार्थ लिखो अन्तपुर जिज्ञासा न्यायपरायण लिख।

सुझाव / आलोचना → प्रकरण का शिक्षण कम से कम दो अन्वितियों में होना चाहिए

ह० निरीक्षक

ह० पर्यवेक्षक

दिनांक .....

पाठ योजना - 2

विद्यालय का नाम - आदर्श जनता इण्टर कालेज पचपेड़वा सत कबीर नगर
छात्राध्यापक का नाम - अभिषेक कुमार यादव

दिनांक	कक्षा	वर्ग	विषय	उप-विषय	चक्र	अवधि
30/01/24	7	(अ)	हिन्दी	गद्य	प्रथम	40 मि०

प्रकरण :- 'भिक्षुक'

सामान्य उद्देश्य :-

1. छात्रों में हिन्दी विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. छात्र-छात्राओं को इस योग्य बनाना की वे अपने भाव एवं प्रभावशाली ढंग से व्यक्त कर सके।
3. छात्र-छात्राओं के शब्द भण्डार में वृद्धि करना।
4. छात्र-छात्राओं को हिन्दी विषय के लेखक कवियों एवं साहित्य से परिचय कराना।
5. छात्र-छात्राओं को चरित्र निर्माण के लिए प्रेरित करना।
6. छात्र-छात्राओं को हिन्दी पद्य एवं गद्य के विभिन्न छात्राओं का ज्ञान करना।

विशिष्ट उद्देश्य -

1- ज्ञानात्मक - छात्र भिक्षुक कथा ने को जान से

2- भावात्मक - छात्र भिक्षुक कविता से अवगत हो सके

3- क्रियात्मक - छात्र भिक्षुक कविता के बारे में लोगो को बता सके

सहायक सामग्री :- लैपटॉप, श्यामपट्ट, चॉक व अन्य कक्षा उपयोगी उपकरण

पूर्वज्ञान :- बच्चों को भिक्षुक के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना के प्रश्न :-

स०	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया
1.	घर में रहने वाले लोगों के समूह को क्या कहते हैं।	परिवार
2.	परिवार में कौन-कौन रहता है	माँ, बाप, भाई, बहन।
3.	परिवार के लोग पूजा करने कहा जाते हैं।	मन्दिर
4.	मन्दिर के बाहर कटोरा लेकर मांगने वाले को क्या कहते हैं।	भिखारी
5.	भिखारी को हम किन-2 नामों से जानते हैं।	समस्यात्मक

उद्देश्य :- बच्चो! अब आज हम सभी को सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला द्वारा रचित भिक्षुक नामक कविता का अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण - प्रस्तुत पद्यांश को एक अन्विती में पढ़ाया जाएगा।

प्रथम अन्विती

पाठ संकेत - वह आता ..... पी कर रह जाते।

आदर्श वाचन	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया
	प्रस्तुत पद्यांश को उचित आरोह-अवरोह शब्दों के उच्चारण का ध्यान रखते हुए छात्रों के समक्ष	सभी छात्र ध्यान से सुन रहे हैं।

अनुकरणवाचन	छात्राध्यापक किसी एक छात्र से आदर्श वाचन करवाते है तथा कक्षा के छात्रो की ही सहायता से अशुद्धियों को शुद्ध करवाता है।

कठिन्य निवारण	शब्द	अर्थ	वाक्य प्रयोग
	दाता	देने वाला	ईश्वर सबको देता है।
	भाग्य विधाता	भाग्य बनाने वाला	ब्रह्म सबके भाग्य विधाता है।

* **मौन वाचन :-** छात्राध्यापक छात्रों को प्रस्तुत पंद्याश का संस्वर वाचन करने की आज्ञा देता है। तथा स्वंय कक्षा मे घुम-घुमकर निरीक्षण करता है।

* बोधात्मक प्रश्न :-

प्रश्न	उत्तर
दाता किसे कहते है?	
भिक्षुक भिक्षा क्यो माँगता है।	

छात्राध्यापक कथन	छात्र कथन
छात्राध्यापक प्रस्तु पंद्याश को पूर्वरूप से उदाहरण सहित व्याख्या प्रस्तु करता है।	छात्र रुचि के साथ सुन रहे है।

श्यामपट्ट सारांश :- छात्राध्यापक छात्रो को श्यामपट्ट पर लिखा हुआ समस्त विवरण का आदेश देता और स्वयंम कक्षा मे घुम-घुमकर निरीक्षण करता है।

दिनांक ....

(8)

मूल्यांकन	प्रश्न	उत्तर	
	1. भिक्षुक अपने झोली दूसरे के सामने क्यों फैलाता है	भिक्षा मांगने के लिए	
	2. भिक्षुक के साथ और कौन है।	उसके दो बच्चे।	

गृहकार्य :-

भूख से भूख ओठ जाते है। दाता-भाग्य विधाता से क्या पाते का भावार्थ लिखिए।

सुझाव / आलोचना - छात्राध्यापक

ह० निरीक्षक

ह० पर्यवेक्षक

पाठ योजना - 3

विद्यालय का नाम - आदर्श जनता इण्टर कालेज फाफेड़वा
संत कबीर नगर

छात्राध्यापक का नाम - अभिषेक कुमार यादव

प्रकरण - "शाप मुक्ति"

सामान्य उद्देश्य :-

(1) छात्र - छात्राओं में हिन्दी विषय प्रति रूचि उत्पन्न करना
(2) छात्र - छात्राओं को इस योग्य की वे अपने भाव एंव प्रभावशाली ढंग से व्यक्त कर सके।
(3) छात्र छात्राओं को शब्द भण्डार में वृद्धि करना।
(4) छात्रों के शब्दों वाक्यांशों तथा लोकोक्तियों का ज्ञान करना
(5) छात्र छात्राओं को हिन्दी विषय के लेखक कवियों एंव साहित्य से परिचय कराना।
(6) छात्र छात्राओं को सत साहित्य सृजन की प्रेरणा देना जिससे वे आकाश के समय सदुउपयोग कर सके।
(7) छात्र छात्राओं को भाषा प्रयोग स्वर निर्माण आदि का ज्ञान कराना।

विशिष्ट उद्देश्य -

(1) ज्ञानात्मक → छात्र शाप मुक्ति कहानी के बारे में जान सके।
(2) भावात्मक → छात्र शाप मुक्ति कहानी से अवगत हो सके।
(3) क्रियात्मक → छात्र इस कहानी के बारे में सबको बता सके

सहायक सामग्री → स्लेट श्यामपट्ट, चार्ट व अन्य कक्षा उपयोगी उपकरण।

दिनांक ....

(10)

पूर्वज्ञान:- छात्र शाप- मुक्ति के बारे मे पूर्वज्ञान रखते है

प्रस्तावना के प्रश्न

क्र॰ स॰	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया
1.	प्राचीन काल मे कौन लोग यज्ञ किया करते थे?	ऋषि मुनी
2.	ऋषि मुनि लोग हमेशा ध्यान लगाकर किसमे रहते थे?	तपस्या
3.	तपस्या यदि कोई व्यक्ति भंग कर देता था वो ऋषि मुनि को क्या आता था?	क्रोध
4.	क्रोध मे आकर वे उस व्यक्ति को क्या देते थे?	शाप
5.	शाप से मुक्ति होने पर व्यक्ति कैसा कहा जाता है।	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन:- बच्चो! आज हम आप सभी रमेश उपाध्याय द्वारा रचित शाप- मुक्ति कहानी का अध्ययन करायेगें।

प्रस्तुतीकरण:- प्रस्तुत गंद्यांश के दो अन्विति मे पढाया जायेगा।

प्रथम अन्विति

पाठ्य संकेत:- एक दिन .... अन्धा हो जाता है

दिनांक .....

छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया
आदर्शवाचन :- छात्राध्यापक प्रस्तुत गद्यांश को उचित अवरोह शब्दों के उच्चारण का ध्यान रखते हुए छात्रों के समक्ष आदर्शवाचन प्रस्तु करता है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है।
अनुकरण वाचन :- छात्राध्यापक किसी एक छात्र से प्रस्तुत गद्यांश का अनुकरण वाचन करवाता है।	

कठिन्य निवारण :-

शब्द	अर्थ	वाक्य प्रयोग
लुप्त	गायब	राम को देख राजू लुप्त हो गया
स्मृति	याद	आप के जाने के बाद भी आप की स्मृति नही गयी
जिद	हठ	श्याम बहुत जिद करता है।

मौन वाचन :-

छात्राध्यापक छात्रो को प्रस्तुत गद्यांश का मौन वाचन करने की आज्ञा देता है। तथा स्वंय कक्षा मे घूम घूमकर निरीक्षण करता है।

दिनांक .....

बोधात्मक प्रश्न

	प्रश्न	उत्तर
1.	प्रभात के बचपन का क्या नाम था?	मन्नू
2.	मन्नू का बब्बू से क्या संबंध था?	मित्रता का
3.	दादी किस डाक्टर से अपनी आखों का इलाज करवाया	डा० प्रभात से

छात्राध्यापक कथन :- छात्राध्यापक द्वारा उपरोक्त अन्विति का भाव छात्रों के समक्ष विभिन्न उदाहरणों की सहायता से प्रस्तुत किया जाएगा।

मूल्यांकन :-

स०	प्रश्न	उत्तर
1.	दादी अपना इलाज कराने कहा गई	दिल्ली
2.	दादी किसके साथ इलाज करवाने गई	बब्बू

द्वितीय अन्विति

पाठ्य संकेत :- यह जानकारी ..... वह भी खतीदा लाना।

* आदर्श वचन :- छात्राध्यापक प्रस्तुत गद्यांश की उचित आरोह अवरोह यतियों के उच्चारण का ध्यान रखते हुए छात्रों के समक्ष आदर्शवाचन प्रस्तुत करता है।

* अनुकरण वचन :-

छात्राध्यापक किसी एक छात्र से प्रस्तुत गद्यांश का अनुकरण वाचन करवाता है।

दिनांक .....

बोधात्मक प्रश्न :-

क्र० सं०	प्रश्न	उत्तर
1.	मन्नू किस पर अपना प्रयोग किया ?	मन्नू
2.	मन्नू के इस राज को किसने	पिता
3.	आखों का इलाज करवाया।	डा० प्रभात से

छात्राध्यापक कथन :- छात्राध्यापक द्वारा उपरोक्त अन्विति का भाव छात्रों के समक्ष विभिन्न उदाहरणों की सहायता से प्रस्तुत है।

मूल्यांकन :-

क्र० सं०	प्रश्न	उत्तर
1.	मन्नू ने कितने पिल्लों की आँख फोड़ी	→ तीन पिल्लो की
2.	पिल्लो की आँख कैसे फाड़ी	→ आक के दूध से

गृहकार्य

1. प्रभात के बचपन का क्या नाम था ?
2. प्रभात के बचपन का पिता कौन था ?
3. दादी अपना इलाज किसे से करवायी

सुझाव / आलोचना

ह० निरीक्षक

ह० पर्यवेक्षक

पाठयोजन - 4

विद्यालय का नाम → आदर्श जनता इण्टर कालेज पचपेड़वा संत कबीर नगर

छात्राध्यापक का नाम - अभिषेक कुमार पाठक

दिनाँक	कक्षा	वर्ग	विषय	उप-विषय	चक्र	अवधि
31/01/24	7	(अ)	हिन्दी	पद्य	प्रथम	40 मि०

प्रकरण :- "बाल लीला"

सामान्य उद्देश्य -

1. छात्र छात्राओं मे हिन्दी विषय के प्रति रूचि उत्पन्न करना
2. छात्र - छात्राओं को इस योग्य बनाना की अपने भाव एवं प्रभावशाली ढंग से व्यक्त कर सके।
3. छात्र छात्राओं को शब्दो, वाक्यांशो तथा लोकोक्तियो का ज्ञान करना
4. छात्रो के शब्द भण्डार मे वृद्धि करना
5. छात्र छात्राओं को हिन्दी विषय के लेखक कवियो एवं साहित्य से परिचय कराना।
6. छात्र छात्राओं को चरित्र निर्माण के लिए प्रेरित करना।
7. छात्र-छात्राओं को भाषा प्रयोग स्वर निर्माण आदि का ज्ञान कराना
8. छात्र छात्राओं को हिन्दी पद्य एवं गद्य के विभिन्न विधाओं का ज्ञान कराना।

विशिष्ट उद्देश्य -

ज्ञानात्मक :- छात्र - छात्राओं को प्रात: काल मे बाल लीलाओं के बारे मे ज्ञान / जान सके।

भावात्मक :- छात्र कृष्ण की बाल लीलाओं से पूर्ण रूप से अवगत हो सके।

3. क्रियात्मक :- छात्र बालसीलाओं के बारे में लोगों को बता सके।

सहायक सामग्री :- स्लेट श्यामपट्ट, चार्ट व अन्य कक्षा उपयोगी ~~सामग्री~~ सामग्री।

पूर्वज्ञान → छात्र बालसीला के बारे में पूर्व ज्ञान रखते है।

प्रस्तावना के प्रश्न

क्र० स० →	छात्राध्यापक क्रिया / कथन	छात्र क्रिया / कथन
	हमारे देश का क्या नाम है?	भारत
	भारत देश की राष्ट्रीय भाषा क्या है?	हिन्दी
	हिन्दी मे कविता सिखने वाले क्या कहते है.	कवि
	कुछ प्राचीन कवियों के नाम बताओ	सूरदास, तुलसीदास
	सूरदास की बाललीला के बारे मे तुम क्या जानते है।	समस्यात्मक

* उद्देश्य कथन :- बच्चो आज हम सभी को सूरदास द्वारा रचित बालसीला का अध्ययन करेंगे।

* प्रस्तुतीकरण :- प्रस्तुत पंद्यांश को दो अन्वितियों मे पढ़ाया जाएगा।

दिनांक ....

(16)

प्रथम अन्विति

पाठ्य संकेत :- मैया मोहि .... मात कू पूत।

अनुकरण	छात्राध्यापक कथन	छात्र कथन
	छात्राध्यापक प्रस्तुत पद्यांश को उचित आरोह-अवरोह शब्दो के उच्चारण का ध्यान रखते हुए छात्रों के समक्ष आदर्श वाचन प्रस्तुत करते है	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है
अनुकरण वाचन	छात्राध्यापक किसी एक छात्र से प्रस्तुत पद्यांश का आदर्श वाचन करने का आदेश देता है	

काठिन्य निवारण :-

शब्द	अर्थ	वाक्य प्रयोग
खिझायो	चिढ़ाया	कृष्ण यशोदा को खिझा रहे है ~~कृष्ण यशोदा~~
छैया	अधीन	कृष्ण यशोदा माँ को छैया मे पल रहे है

मौन वाचन :- छात्राअध्यापको छात्रों को प्रस्तुत पद्यांश का सस्वर वाचन करने की आज्ञा देता है तथा स्वंय कक्षा मे घूम-घूमकर निरीक्षण करता है

बोधात्मक प्रश्न :-

क्र० स०	प्रश्न	उत्तर
1.	मां कृष्ण को क्या कह कर चिढ़ाते है	
2.	माँ कृष्ण को क्या कहकर समझाती है	

दिनांक ....

छात्राध्यापक कथन - छात्राध्यापक प्रस्तु पद्यांश का उदाहरण सहीत व्याख्या करती है।

* द्वितीय अन्विति *

पाठ्य संकेत :- खेसने मे .... नन्द दुहैया ।

आदर्श वाचन :- पूर्ववत

अनुकरण वाचन :- छात्राध्यापक किसी एक छात्र से प्रस्तुत पंद्याश का आदर्श वाचन करने का आदेश देता है।

काठिन्य निवारण :-

शब्द	अर्थ	वाक्य प्रयोग
गुसैया	गोस्वामी मालिक	खेसने मे सभी बराबर होते है। कोई मालिक नही होता है।

सस्वर वाचन :-

छात्राध्यक प्रस्तुत पद्यांश का सस्वर वाचन करने के लिए छात्रों को आज्ञा देता है और स्वयं कक्षा मे घूम-2 निरीक्षण करता है।

बोधात्मक प्रश्न :-

क्र०स०	प्रश्न	उत्तर
1.	कृष्ण का गेद कहां चला जाता है	नदी मे

श्यामपट्ट सारांश :- छात्राध्यापक बच्चो को श्यामपट्ट पर लिखा कर हुआ बिवरण लिखने का आदेश देता है। और स्वंय कक्षा मे घूम-2 कर निरक्षण करता है।

दिनांक 19

मूल्यांकन :

प्रश्न	उत्तर
1. श्री कृष्ण का लालन-पालन किसने किया?	नन्द और यशोदा
2. कृष्ण के बाल सखा का क्या नाम था?	सुदामा
3. कृष्ण जी माता यशोदा से किस की शिकायत करते हैं।	बलराम की

गृहकार्य :-

शब्दार्थ लिखो :- खिसायौ, चबाई, रिसैया, मैया, गुसैया, धूत।

सुझाव आलोचना

ह० निरीक्षक

ह० पर्यवेक्षक

दिनांक ....

पाठ योजना-5

विद्यालय का नाम:- आदर्श जनता इण्टर कालेज पचपेड़वा सन्त कबीर नगर

छात्राध्यापक का नाम- अभिषेक कुमार यादव

दिनांक	कक्षा	वर्ग	विषय	उप-विषय	चक्र	अवधि
07/8/24	8	(अ)	हिन्दी	गद्य	द्वितीय	40 मि.

प्रकरण:- काकी

उद्देश्य:-

1. छात्रों को हिन्दी विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. छात्रों को कहानी सुनकर भाव ग्रहण करने की योग्यता का विकास करना
3. छात्रों को शक्ति कल्पना का विकास करना।
4. छात्रों को हिन्दी कहानी सृजन का प्रेरणा प्रदान करना।
5. हिन्दी कहानी के माध्यम से छात्रों को व्यक्तित्व विकास करना।

विशिष्ट उद्देश्य:-

ज्ञानात्मक:- छात्रों 'काकी' नामक कहानी के विषय मे जा सकता है।

क्रियात्मक:- विद्यार्थीयों मे इस कहानी के माध्यम से अपने माता पीता के प्रति प्रेमभाव उत्पन्न करना।

भावात्मक:- विद्यार्थी इस कहानी के माध्यम से एक बेटे का माँ के प्रति प्रेम को जगा सके।

सहायक सामग्री:- श्यामपट, चार्ट अन्य कक्षा उपयोगी उपकरण।

पूर्वज्ञान:- छात्र काकी नामक पाठ के बारे मे सामान्य जानकारी रखते है।

दिनांक ....

प्रस्तावना के प्रश्न

क्र० सं०	छात्राध्यापक कथन
1.	बच्चो! आप कहां रहते है:
2.	आप के घर मे कौन-2 रहता है।
3.	इनमें आप के घर मे खाना कौन बनाता है।
4.	काकी नामक पाठ के विषय मे आप क्या जानते है।

उद्देश्य कथन :- बच्चो! आज हम काकी नामक पाठ के बारे मे अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

प्रथम अन्विति

पाठ्य संकेत इस दिन. ....आकाश की ओर ताका करता

आदर्श वाचन :-

	छात्राध्यापक कथन	छात्र कथन
	~~छात्राध्यापक प्रस्तुत गंद्यांश को उचित आरोह-अवरोह शब्दों के उच्चारण का ध्यान रखते हुए छात्रों के समक्ष आदर्श वाचन प्रस्कुत करती है~~	सभी छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है
अनुकरण वाचन	छात्राध्यापक किसी एक छात्र से अध्ययन करवाता है और सभी छात्र से अशुद्धियों को शुद्ध करवाता है।	

काठिय निवारण :-

शब्द	अर्थ	वाक्य प्रयोग
कुहराम	रोना	श्याम की नींद खुली तो उसके घर में कोहराम मचा था।
अनगना	उदास	श्याम उदास हो कर आकाश की तरफ देखता रहा है।

सस्वर वाचन :- छात्राध्यापक छात्रों को प्रस्तुत गंद्यांश का सस्वर वाचन करने के लिए आज्ञा देता है। और स्वयं कक्षा में घूम-घूमकर निरीक्षण करता है।

बोधात्मक प्रश्न :-

क्र०स०	छात्राध्यापक कथन	छात्र कथन
1.	श्यामू की माँ को लोग कहा ले जा रहे थे ?	श्मशान
2.	श्यामू अपने माँ को छत से उतारने के लिए क्या किया।	पंतग बनाया
3.	श्यामू अपनी माँ को याद करके कहाँ देखता रहता था।	आकाश की ओर

स्पष्टीकरण :-

छात्राध्यापक कथन	छात्र कथन
1. छात्राध्यापक प्रस्तुत गंद्यांश पूर्ण रूप से उदाहरण सहित व्याख्या करता है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है।

दिनांक ....

(22)

श्यामपट्ट सारांश :-

छात्राध्यापक छात्र-छात्राओं को श्यामपट्ट पर लिखे हुए समस्त शब्दार्थों को कार्य मे उतारने का आदेश देता है। और कक्षा मे घूम-घूमकर

मूल्यांकन प्रश्न :-

1. श्यामू की माँ लेटी थी?

उत्तर जमीन पर

2. श्यामू ने लोगो से क्या कहा ?

ग्रह कार्य:-

इस कहानी से आप ~~क्या~~ ~~समझते~~ सबको क्या शिक्षा मिलती है।

अपने शब्दो मे लिखकर लाईयेगा।

सुझाव / आलोचना

ह० निरीक्षक

ह० पर्यवेक्षक